असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

30 मार्च, 2022

श्री प्रहलाद यादव : महोदय, मंत्री जी बराबर एक बात जरूर बोलते हैं कि निधि की उपलब्धता। क्या बिहार सरकार के पास ग्रामीण विभाग में कोई पैसा नहीं है ? अगर नहीं है तो वैसा जवाब दे दीजिये कि पैसा नहीं है ।

अध्यक्ष : यह अलग से प्रश्न ले आइयेगा । माननीय सदस्य श्री ललित कुमार यादव ।

तारांकित प्रश्न संख्या-3571 (श्री ललित कुमार यादव, क्षेत्र संख्या-82, दरभंगा ग्रामीण)

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, उत्तर नहीं आया है ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग ।

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 1- स्वीकारात्मक ।

2- वस्तुस्थिति यह है कि बिहार राज्य के अंतर्गत बाढ़ प्रबंधन योजना के अन्तर्गत कुल 23 कार्य प्रमंडलों में माह नवम्बर, 2020 तक राशि रु0 284.29 करोड़ आवंटित किया गया था । उक्त 23 प्रमंडलों में से प्रश्नगत दो प्रमंडलों जिसके अन्तर्गत भूतही बलान के बायां तटबंध के कि0मी0 25.00 से 31.61 कि0मी0 तक विस्तारीकरण एवं कमला बलान बायां तटबंध के कुल एक स्थल पर टूटान भराई कार्य हेतु रु0 7.78 करोड़ बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल-1, झंझारपुर को आवंटित किया गया था । बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल-2, झंझारपुर को कमला बलान दांया तटबंध के कुल सात स्थलों पर टूटान भराई कार्य हेतु रु0 53.28 करोड़ आवंटित किया गया था ।

वर्ष 2019 में कमला बलान के बायां तटबंध के 1. कि0मी0 7.38 (ग्राम-टेरहा) 2. कि0मी0 36.60 (ग्राम-रखवारी) तथा दायां तटबंध के 3. कि0मी0 40.60 (ग्राम-गोपलखा), 4. कि0मी0 47.30 (ग्राम-नरूआर), 5. कि0मी0 55.80 (ग्राम-कैथवार), 6. कि0मी0 57.50 (ग्राम-ककोढ़ा), 7. कि0मी0 71.40 (ग्राम-कुमरौल) तथा 8. कि0मी0 79.60 (ग्राम-मनसार) का टूटान में मिट्टी भराई, सुरक्षात्मक कार्य, स्टील शीट पाईल का उपयोग कर कार्य बाढ़ 2020 पूर्व करा लिया गया है तथा बिहार में पहली बार तटबंध के मध्य में स्टील शीट पाईल लगाया गया जिससे तटबंध को अतिरिक्त मजबूती मिली है ।

कार्य के दौरान कटाव निरोधक समिति के अध्यक्ष, उड़नदस्ता जांच दल, गुण नियंत्रण प्रमंडल आदि द्वारा उक्त वर्णित कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण किया गया था । बाढ़ 2020 के पूर्व राज्य में कराये गये सभी कटाव निरोधक कार्य बाढ़ अवधि 2020 में सुरक्षित रहे । साथ ही कार्यों की गुणवत्ता की जांच उड़नदस्ता दल के द्वारा करायी गयी है एवं तदनुसार नियमानुसार ही भुगतान किया गया है ।

वर्तमान में भूतही बलान बायां तटबंध का निर्माण में मिट्टी कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है एवं स्लुईस गेटों का निर्माण बाढ़ 2022 के पूर्व पूर्ण करा लिया जायेगा । इस प्रकार कराया गया सभी कार्य सुरक्षित है एवं कोई भी व्यय निष्फल नहीं हुआ है ।

3- उपर्युक्त खंडों में वर्णित ।

श्री ललित कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का जवाब बहुत विस्तृत था । हम इतना ही जानना चाहते हैं मंत्री जी से जो आप कह रहे हैं कि हम जांच करा लिये हैं और कार्य गुणवत्ता पूर्ण हुआ है, काम भी हुआ है । महोदय, हम माननीय मंत्री जी से इतना ही अनुरोध करना चाहते हैं आपके माध्यम से कि इसको गैर विभागीय किसी भी समिति से जांच कराना चाहते हैं । यदि मंत्री जी का यह बहुत दावा है कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण हुआ है, निष्फल व्यय नहीं हुआ है । हम माननीय मंत्री जी को बताना चाहते हैं कि बहुत सारे जगह कार्य हमलोगों के क्षेत्र से सटा हुआ है, हम क्षेत्र भ्रमण के क्रम में देखे हैं कि काम की गुणवत्ता के साथ-साथ राशि की अवैध निकासी की गई है बिना कार्य का । तो माननीय मंत्री जी गैर विभागीय समिति अपने विभाग छोड़कर किसी एजेंसी से आप जांच कराना चाहते हैं ?

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य कोई स्पेसिफिक जगह बतायेंगे कि अनियमितता हुई है, पैसा निकला है, काम की गुणवत्ता में प्रॉब्लम है तो निश्चित रूप से हम जांच करा देंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय प्रश्न में...

अध्यक्ष : आप स्पष्ट बताइये भेग में जांच नहीं न होगी ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, प्रश्न में उद्धृत है...

अध्यक्ष : मंत्री जी कह रहे हैं कि हम जांच करवा देंगे, कोई स्पेसिफिक बताइये ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, मंत्री जी योजना का नाम भी बताए हैं उसी योजना का जो ये उत्तर में दिये हैं सदन में । उसी योजना का मंत्री जी अपने विभाग को छोड़कर किसी एजेंसी से जांच कराना चाहते हैं ?

अध्यक्ष : उन्होंने तो कहा है कि आप दीजिये डिटेल, हम दिखवा लेते हैं ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय वही कह रहे हैं...

अध्यक्ष : श्री जितेंद्र कुमार ।

श्री ललित कुमार यादव : नहीं महोदय । मंत्री जी को हम कहां कह रहे हैं...

अध्यक्ष : आप डिटेल एक लिखकर के दे दीजिये मंत्री जी को ।

श्री ललित कुमार यादव : हम मंत्री जी को यही कह रहे हैं कि गैर विभागीय अपने विभाग को छोड़ के किसी भी एजेंसी से आप जांच कराना चाहते हैं ? बस एक लाईन का प्रश्न है ।

अध्यक्ष : उन्होंने साफ कहा कि आप लिखकर दे दीजिये...

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, हम कह रहे हैं कि माननीय मंत्री जी प्रश्न के आलोक में जो उत्तर दिये हैं उसी की जांच किसी गैर विभागीय समिति से कराना चाहते हैं ? किसी से करा दें, इनको जिन पर विश्वास हो । मंत्री जी को जिस पर विश्वास हो।

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि स्पेसिफिक जिस प्वांइट पर इनको लगता है कि गड़बड़ी हुई है पूरे एरिया में, मैं तो नाम बताया हूं स्टील शीट पाईल का काम पहली बार उसी एरिया में हुआ है, कहीं बिहार में नहीं हुआ है । वहां करीब-करीब 22 करोड़ 67 लाख का जो वहां कभी नहीं टूटे, पूरे एरिया में हुआ है । अगर माननीय सदस्य को कोई भी जानकारी है तो मैं बिल्कुल जांच करवा दूंगा लेकिन स्पेसिफिक बताना पड़ेगा कि यह जगह, इस योजना में है ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, उत्तर में भी...

अध्यक्ष : यह कह रहे हैं कि जांच करवा देंगे । अब विषय हो गया है, अब लास्ट हो रहा है।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, किसी से जांच करवा दें...

अध्यक्ष : कह तो रहे हैं कि जांच करवा देंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : इनको जिस पर विश्वास है, सरकार में हैं । बहुत पावरफुल आदमी हैं जिसको जांच करने को कहेंगे इनके मनोनुकूल करेगा । किसी से जांच करा दें...

अध्यक्ष : कह तो दिये हैं कि जांच करवा देंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : हम कह रहे हैं माननीय मंत्री जी का जो जवाब आया है...

अध्यक्ष : जितेंद्र कुमार जी पूरक पूछिये ।

श्री ललित कुमार यादव : नहीं महोदय, विभाग जो जवाब देता है और विभागीय जवाब क्या है हमलोग नहीं बोलना चाहते हैं प्रश्नकाल है उतना समय नहीं है । कोई एक जगह का मंत्री जी हम कह रहे हैं अपने प्रश्न के उत्तर में जो जवाब दिये हैं...

अध्यक्ष : मंत्री जी ने कहा है कि जांच करवा देंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : किससे जांच करवा देंगे यही बता दें । माननीय मंत्री जी अपने विभाग को छोड़ के जिससे भी जांच करवा दें ? यह पावरफुल हैं...

अध्यक्ष : वरीय अधिकारी से करवा देंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : मंत्री जी सेंकेड चीफ मिनिस्टर हैं जिनको भी कहेंगे...

अध्यक्ष : अब आप उपमा अलंकार से सबको अलंकृत मत करिये ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, ललित बाबू जैसे पुराने सदस्य कह रहे हैं हमारे मंत्री संजय जी को कि सेकंड चीफ मिनिस्टर हैं...

अध्यक्ष : ये कई लोगों को कह चुके हैं ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : आसन भी अवगत है कि इस प्रदेश में तो एक ही मुख्यमंत्री होता है और वह नीतीश कुमार हैं । सेकंड, थर्ड, फोर्थ तो मुख्यमंत्री के पद के साथ होता नहीं है तो यह किस सेकंड की बात कह रहे हैं ?

श्री ललित कुमार यादव : आपका नंबर पीछे आ गया है ।

टर्न-6/राहुल/30.03.2022

अध्यक्ष : भाषा से ज्यादा भाव समझा जाय ।

तारांकित प्रश्न सं0-3572(श्री जितेंद्र कुमार, क्षेत्र सं0-171,अस्थावॉ)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग ।

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, 1- वस्तुस्थिति यह है कि धनाईन नदी नालन्दा जिला के सरमेरा प्रखंड के ग्राम धनावाडीह से निकलकर पटना जिले के घोसवरी प्रखंड के ग्राम त्रिमुहान में हरोहर नदी में मिल जाती है । यह नदी टाल क्षेत्र में अवस्थित है ।

2- स्वीकारात्मक है । यह कार्य नदी में सिंचाई हेतु जल संचयन के लिए किया गया था ।

3- टाल क्षेत्र में अवस्थित होने के कारण जल का फैलाव स्वभाविक है।

4- टाल क्षेत्र की नदियों की उड़ाही का प्रस्ताव तत्काल विचाराधीन नहीं है बल्कि टाल क्षेत्र के समेकित विकास हेतु 1178.50 करोड़ की लागत से योजना कार्यान्वित की जा रही है जिससे इस इलाके में बाढ़ नियंत्रण तथा सिंचाई प्रबंधन में काफी सहायता मिलेगी और इसी साल इस पर काम शुरू हो जाएगा ।

श्री जितेंद्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, हमने पूछा है कि नदियों की जो उड़ाही हुई है वह आधी हुई है हमने मांग की है कि हेड टू टेल, या टॉप टू बोटम हो जाय । आधी नदी उड़ाही होने से कोई लाभ नहीं होता है, बाढ़ के दिनों में पानी का फैलाव हो जाता है । महोदय, हमने कहा कि राज्यसरकार की राशि खर्च हुई है तो क्यों नहीं टॉप टू बोटम नदियों की उड़ाही की जा सकती है ?

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : महोदय, मैंने अपने जवाब में कहा कि टाल योजना पूरी की पूरी इंप्लीमेंट हो रही है उसमें यह भी है कि इस काम को कर लिया जायेगा ।

श्री जितेंद्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, अस्थावां विधान सभा के अन्तर्गत जीराईन नदी, कुम्हरी नदी, नोनिया नदी, सोयबा नदी सभी नदियों की उड़ाही जो हुई है किसी नदी का